भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1592
01 अगस्त, 2025 को उत्तर के लिए

एनएमडीसी के कामकाज में पारदर्शिता

1592. श्री भुबनेश्वर कालिताः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड (एनएमडीसी) में डिजिटल प्रणालियों की प्रभावशीलता का लेखा-परीक्षण और मूल्यांकन करने के लिए कोई तंत्र मौजूद है;

(ख) यदि हाँ, तो हितधारकों, विशेष रूप से स्थानीय समुदायों से प्राप्त फीडबैक को एनएमडीसी की निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में सार्थक रूप से शामिल करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या एनएमडीसी द्वारा कोई समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म अथवा डैशबोर्ड स्थापित किया गया है, जिससे जन सहभागिता और जानकारी का वास्तविक समय में प्रसार सुनिश्चित हो; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क): राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) ने डिजिटल प्रणालियों की प्रभावशीलता का लेखा-परीक्षण और मूल्यांकन करने के लिए, एक एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) प्रणाली लागू की है। यह ईआरपी प्रणाली एक पूर्णतः एकीकृत व्यावसायिक समाधान है जो सभी संगठनात्मक कार्यों को समाहित करती है और उनका निर्बाध प्रचालन सुनिश्चित करती है।

(ख): आरटीआई, सीपीग्राम प्रश्नों के साथ-साथ ग्राहक पोर्टल, सतर्कता पोर्टल, विक्रेता इनवॉइस प्रबंधन, विक्रेता बैठक, डिजिटल सीएसआर समाधान जैसे समाधानों, ग्राहकों, विक्रेताओं और समुदायों सहित हितधारकों से फीडबैक प्राप्त करते हैं जिनका निर्णय लेते समय ध्यान रखा जाता है।

(ग) और (घ): एनएमडीसी की आधिकारिक वेबसाइट (www.nmdc.co.in), वास्तविक समय में जन सहभागिता और सूचना साझा करने के लिए वन-स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करती है। एनएमडीसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी जनता के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा रहता है। इसके अतिरिक्त, ग्राहक पोर्टल, सतर्कता पोर्टल आदि भी जन सहभागिता के लिए उपलब्ध हैं।

*****